Regarding the damages caused by stray animals

श्री नारायणदास अहिरवार **(जालौन) :** माननीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ । मैं अपने संसदीय क्षेत्र जालौन, गरौठा, भोगनीपुर की जनता को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मेरे क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रखने का मौका दिया ।

महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र बुन्देलखण्ड में आता है, जो कृषि के क्षेत्र में अत्यधिक पिछड़ा हुआ क्षेत्र है । यहां के लोग ज्यादातर कृषि पर ही निर्भर हैं, लेकिन इस क्षेत्र में छुट्टा आवारा पशुओं की एक बहुत बड़ी जटिल समस्या बनी हुई है । ये आवारा पशु किसानों की फसल को तैयार होने से पहले ही खा जाते हैं या उसे नष्ट कर देते हैं ।

माननीय सभापति **:** आपकी मांग क्या है?

श्री नारायणदास अहिरवार **:** सभापति जी, किसान अपने खेतों में बांस, बल्ली, तार की घेराबन्दी करने के बावजूद भी अपनी फसलों को नहीं बचा पा रहे हैं । किसानों के द्वारा मेहनत से तैयार की गई फसलों को आवारा पशुओं के नुकसान से किसान तबाही के कगार पर आ गये है, लेकिन इन छुट्टा आवारा पशुओं की समस्या का निस्तारण सही तरीके से आज तक नहीं हो पाया है ।

मान्यवर, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि मेरे क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं को रहने के लिए बड़ी-बड़ी गौशाला बनाकर उनके खाने-पीने की व्यवस्था कर दी जाए तथा उनकी देख-रेख के लिए वेतन पर लोगों की नियुक्ति की जाए, जिससे वे सही तरीके से उन पशुओं की देखभाल कर सकें । इससे आवारा पशुओं की सुरक्षा के साथ-साथ दूध और घी का उत्पादन भी होगा और साथ ही सरकार के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी । धन्यवाद ।